ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

Vol. 14 Issue No. 13 Faridabad (NCR) | Friday, 1-15 August 2025 | Rate : 5 /- | RNI No. : HARBIL/2012/45536 | Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 | Page : 8

विभाजन के बाद हिंदुओं पर था धर्म बदलने का दबावः मनोहर लाल

Faridabad/Alive News

सेक्टर-12 स्थित एचएसपीवी ग्राउंड में गुरुवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीएम नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इस दौरान खट्टर ने अपने पुरखों की आंखों देखी विभाजन विभीषिका का वर्णन किया, जिसे सुनकर सभी भावुक हो गए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा, बहुत कम लोग पहुंचे हैं, जिन्हें विभाजन विभीषिका की जानकारी है। 15 अगस्त से पहले देश के टुकड़े किए गए थे। हमारे बुजुर्ग दादी, नानी बताते थे कि किस तरह से जब देश का विभाजन हुआ तो हम अपना सब कुछ छोड़कर जान बचाते हुए अपना घर बार छोड़कर निकले थे। उन्होंने आगे कहा, बुजुर्गों ने यह भी कहा कि जान से भी ज्यादा प्यारी हमें अपने धर्म की रक्षा करने की चिंता थी क्योंकि धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा था। फिर भी हमने अपना हिंदू धर्म नहीं छोड़ा। खट्टर ने कहा कि देश विभाजन के बाद जिन लोगों ने पीड़ा झेली, उनको उस समय की सरकार ने कभी याद नहीं किया। यह एक नरसंहार था। अपना घर-बार छोड़ने वाले विस्थापितों, जिसमें पंजाबी समाज के लोग प्रमुख थे, ऐसे लोग जहां भी बसे, वहां इन्होंने कभी हाथ नहीं फैलाया बल्कि मेहनत मजदूरी कर अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू की। इसलिए यह समाज पुरुषार्थी कहलाया। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभाजन विभीषिका इतिहास का काला अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभाजन विभीषिका में बलिदान देने वालों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष स्मृति दिवस मनाने का निर्णय लिया। औद्योगिक नगरी फरीदाबाद को पुरुषार्थी समाज में अपनी मेहनत से खड़ा किया, एक नई पहचान दी। प्रदेश का यह अहम शहर है। मुख्यमंत्री ने पुरुषार्थी समाज के लोगों को नमन किया। सीएम ने घोषणा की कि विभाजन विभीषिका में बलिदान देने वालों की यादों को संजोए रखने के लिए स्मारक बनाया जा रहा है। जाति, धर्म, भाषा के नाम पर बांटने वालों से सावधान रहना पड़ेगा। राष्ट्रहित और राष्ट्रधर्म हमारे लिए सर्वोपरि है। पंचनद स्मारक ट्रस्ट ने अपने पूर्वजों की याद को संजोंए रखने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। इस ट्रस्ट ने अपने पूर्वजों की याद को संजोए रखने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। नायब सिंह सैनी ने औद्योगिक नगरी के लिए 564 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है। इस बीच ट्रस्ट के लिए मुख्यमंत्री ने अपने ऐच्छिक कोष से 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर आश्रम हरिमंदिर पटौदी के गद्दी नशीन स्वामी धर्मदेव ने कहा, आजादी से पहले देश विभाजन का जो दंश मिला है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर मंच पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ.कृष्ण लाल मिड्ढा, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, मेयर प्रवीण जोशी, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा कृष्ण लाल पंवार, श्याम सिंह राणा, राजस्व मंत्री विपुल गोयल, राज्य मंत्री राजेश नागर , खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, विधायक मूल चंद शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव आदि उपस्थित रहे।

अलाईव न्यूज परिवार की ओर से आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
-संपादक

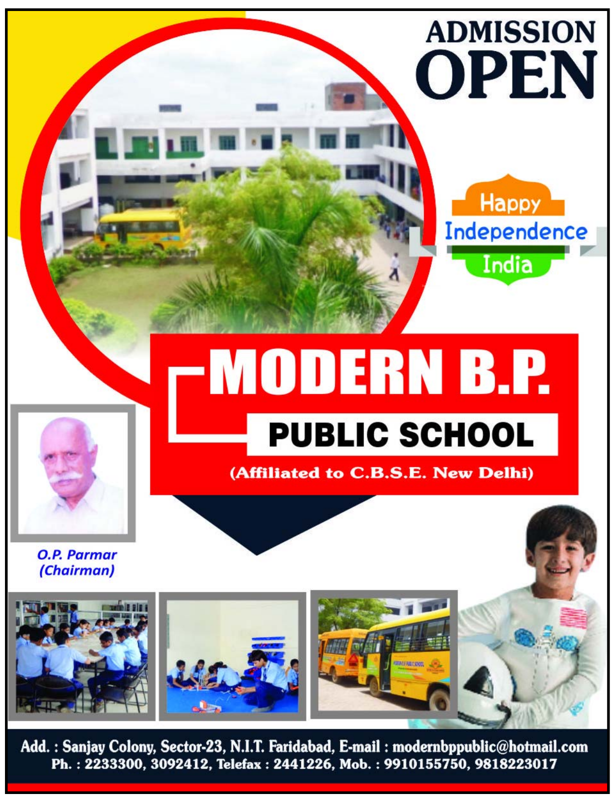

Carrer

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है ‐ प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्ते

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्त्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

बिजली निगम में अधिकारी सीसीजीआरएफ और लोक अदालत को लेकर कर रहे खानापूर्ति

Faridabad/Alive News

हरियाणा भर में ऐ.सी में बैठक सरकार की योजनाओं को पलीता लगा रहे अधिकारियों पर सरकार ने लगाम नही लगाई तो जनहितैषी सरकार की योजना अधिकारियों के कार्यालयों की चौखट पर ही दम तोड़ जायेगी। ऐसा ही हाल अब शायद फरीदाबाद में बिजली निगम की सर्कल उपभोक्ता शिकायत निवारण न्यायाधिकरण (सीसीजीआरएफ) और लोक अदालत की बैठक को लेकर देखने को मिल रहे हैं।

सरकार के बिजली मंत्री के आदेशों पर पूरे हरियाणा में सभी जिलों के सर्कल कार्यालयों पर हर हफ्ते सर्कल उपभोक्ता शिकायत निवारण न्यायाधिकरण (सीसीजीआरएफ) और लोक अदालत का होना सुनिश्चित हुआ है। इस बैठक का उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनना और उनका समाधान करना था।

लेकिन फरीदाबाद में हो रही प्रत्येक सप्ताह सीसीजीआरएफ और लोक अदालत की बैठक में उपभोक्ताओं की शिकायत नहीं आ रही। इसका कारण यह नही की फरीदाबाद

में बिजली से संबंधित कोई शिकायत नही है बल्कि फरीदाबाद बिजली निगम सर्कल में अधिकारी बैठक को लेकर खानापूर्ति कर रहे है! इसका अंदाजा मंगलवार को हुई सर्कल कार्यालय की बैठक में एक भी शिकायत का नही आने से लगाया जाता है। फरीदाबाद में बिजली विभाग के लाखों की संख्या में उपभोक्ता हैं और हर बार मंगलवार को निर्धारित सीसीजीआरएफ की बैठक में उपयोक्ताओं की शिकायत का नही आना निगम के उच्च अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठा रहा है।

हांलाकि उपयोक्ता निगम के सब-डिविजनल कार्यालयों पर शिकायत लेकर लगातार पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें बिजली निगम द्वारा लगाई जा रही सीसीजीआरएफ और लोक अदालत के समय और बैठक की जानकारी नही मिल रही है। क्योंकि अधिकारी सीसीजीआरएफ और लोक अदालत की बैठक की जानकारी उपभोक्ता तक एक सीमित माध्यम से देकर इतिश्री कर ले रहे हैं या फिर आज डिजीटल मीडिया (मोजो टेक्नोलॉजी) के युग में भी नामात्र पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों में सूचना देकर खानापूर्ति कर ले रहे है। ऐ.सी में बैठक सरकार की योजनाओं को पलीता लगा रहे अधिकारियों पर सरकार ने लगाम नही लगाई तो जनहितैषी सरकार की योजना अधिकारियों के कार्यालयों की चोखट पर ही दम तोड़ जायेगी।

सीसीजीआरएफ और लोक अदालत की बैठक की जानकारी को लेकर क्या कहा उपभोक्ताओं ने

मैं डबुआ कालोनी में रहता हूं और मेरे व मेरी पत्नी के नाम दो अलग अलग मीटर हैं जिनका बिजली बिल 35 हजार आया हुआ है और कई साल से उस रकम पर ब्याज भी लग रहा है। बिल ठीक कराने के लिए एससी, एसडीओ से मिले लेकिन कुछ नही हुआ। मुझे सीसीजीआरएफ और लोक अदालत की बैठक की जानकारी आज तक नही है, अब आप के माध्यम से पता चला है कि बिजली विभाग में भी कोई लोक अदालत लगती है।

नरेश बंसवाल, उपभोक्ता।

मैं भी गलत रिडिंग को लेकर एसडीओ के कार्यालय पर जा रहा हूं। मुझे कभी एकाउंटेंट के पास तो कभी किसी के पास भेजकर चक्कर कटा रहे हैं। लेकिन कोई समाधान नही कर रहा है। मुझे सीसीजीआरएफ और लोक अदालत की बैठक की जानकारी नही है।

सोनू चौधरी, उपभोक्ता।

सीसीजीआरएफ की बैठक में मंगलवार को नही आई शिकायत

बिजली निगम एनआईटी की कार्यकारी अभियंता उर्मिला रानी ने बताया कि इस हफ्ते की सीसीजीआरएफ बैठक में कोई भी शिकायत सामने नहीं आई। बीते सप्ताह की सीसीजीआरएफ की बैठक में एक शिकायत मिली थी।

कार्यकारी अभियंता की जानकारी से साफ होता है कि बिजली विभाग ने बैठक की जानकारी आम लोगों तक सही तरीके और सही माध्यमों से नहीं पहुंचाई जा रही, न ही गांवों और कॉलोनियों में प्रचार किया गया, न ही सही मीडिया माध्यमों या सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिसकी वजह से सरकार की योजना फेल हो रही हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह से लिया आशीर्वाद

Faridabad/Alive News

जिला कांग्रेस कमेटी फरीदाबाद के नए अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने बुधवार शाम पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उन्होंने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा में संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बलजीत कौशिक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को साथ जोड़कर पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करें। बलजीत कौशिक ने भरोसा दिलाया कि वे पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे और सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर फरीदाबाद में कांग्रेस को मजबूत बनाएंगे। इस अवसर पर डॉ. सौरभ शर्मा, रिंकू चंदीला, गौरव ढींगड़ा, बिजेन्द्र मावी, अनिल शर्मा, जितेन्द्र चंदेलिया, विकास फागना समेत कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

गांव सीही में राजकीय कन्या विद्यालय ने तिरंगा यात्रा निकाली

Faridabad/Alive News

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीही ने गांव में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश वैष्णव ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में देशभक्ति की भावना को बढ़ाते हैं और शहीदों के बलिदान को याद दिलाते हैं। कार्यक्रम में जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के प्रधान एवं समाजसेवी संतसिंह हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरे देश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान के तहत छात्राओं ने गांव की गलियों और फिरनी में तिरंगा लेकर यात्रा की। उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की पहचान है, जिसे अनगिनत बलिदानों के बाद हासिल किया गया है, इसलिए इसका सम्मान बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। तिरंगा यात्रा को सफल बनाने में प्रवक्ता शानो त्यागी, रोहित कुमार, रविशंकर आर्य, सविता रानी आर्या, संतोष और संतसिंह हुड्डा का अहम योगदान रहा।

फरीदाबाद निगम टैक्स कर्मचारियों को ट्रेनिंग, मोबाइल ऐप से ढूंढेंगे प्रॉपर्टी मालिक

Faridabad/Alive News

नगर निगम फरीदाबाद ने टैक्स विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रेनिंग पूरी कर ली है। इस ट्रेनिंग में उन्हें बताया गया कि कैसे प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ी समस्याओं और नागरिकों की आपत्तियों का समय पर समाधान किया जाए। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि आईटी सेल ने एनडीसी पोर्टल पर काम करने के तरीके, लाल डोरा सर्टिफिकेट, सेल्फ सर्टिफिकेट, नई प्रॉपर्टी आईडी बनाने और आपत्तियों को दूर करने की प्रक्रिया समझाई। ट्रेनिंग में सभी जोन के क्षेत्रीय कर अधिकारी, चेकर, मेकर और निरीक्षक शामिल हुए। निगम ने एक मोबाइल एप्लीकेशन भी तैयार की है, जो प्रॉपर्टी मालिक के घर तक का रास्ता दिखाएगी और मौके पर ही प्रॉपर्टी आईडी दुरुस्त करने में मदद करेगी। इस ऐप के जरिए लगभग 3 लाख ऐसी प्रॉपर्टियों का पता लगाया जाएगा जिन के मोबाइल नंबर निगम के रिकॉर्ड में नहीं हैं, ताकि उनसे प्रॉपर्टी टैक्स वसूला जा सके। अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि इस ट्रेनिंग से टैक्स विभाग नागरिकों की समस्याओं का समाधान जल्दी और समय सीमा में कर सकेगा।

जे. सी. बोस विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

Faridabad/Alive News

जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के डीन स्टूडेंट वेलफेयर के अंतर्गत एनएसएस विंग द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य ÷तिरंगा यात्रा÷ का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल एक यात्रा थी, बल्कि देशभक्ति की भावना को जागृत करने और शहीदों की स्मृति को सम्मान देने का एक अवसर भी रहा।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सी.वी. रमन भवन से हुआ, जहां छात्रों ने कंधे से कंधा मिलाकर तिरंगे के प्रति अपने सम्मान और प्रेम का प्रदर्शन किया। 'देश की शान तिरंगा' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ छात्रों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लिया। यह यात्रा विश्वविद्यालय परिसर को गुंजायमान करते हुए कुलगुरु कार्यालय के सामने सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने अपने संबोधन में तिरंगे के

महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷तिरंगे का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय नागरिक का मौलिक कर्तव्य है।÷ उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे देश की सेवा के लिए समर्पित रहें और 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें।

इस आयोजन ने छात्रों में देशभक्ति की भावना को और सुदृढ़ किया तथा यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव का दिन नहीं, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम में डीन (इंस्टीटूशन्स) प्रो. मुनीष वशिष्ठ, प्रॉक्टर प्रो. वासुदेव मल्होत्रा, प्रो. अरविंद गुप्ता, प्रो. पवन सिंह, डॉ. आत्माराम, डॉ. ओपी मिश्रा, डॉ. महेश चंद्र, डॉ. अखिलेश सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

निगम आयुक्त ने अधिकारियों और सफाई विभाग संग की बैठक

Faridabad/Alive News

निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में एक विशेष रणनीति बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अधिकारियों और सफाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक का उद्देश्य शहर में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक प्रतिबंध, और गीला-सूखा कचरे का पृथक्करण जैसी स्वच्छता संबंधी पहलों पर प्रभावी आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) रणनीति तैयार करना था। बैठक में इको सवेरा ,बाल विकास धारा , ग्रीन हैंड, रॉबिन हुड जैसे स्थानीय एनजीओ के साथ-साथ रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सहित स्वयंसेवक और ब्रांड एम्बेसडर की भी सक्रिय भागीदारी रही। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने यह निर्देश दिया कि वे हर माह या पंद्रह दिन में ऐसी जगहों पर बैठक करेंगे जहां श्रेष्ठ प्रथाएं अपनाई जा रही हों ताकि उन्हें सम्मानित, प्रोत्साहित, सहायता और दूसरे स्थानों में मार्गदर्शक के रूप में आगे बढ़ाया जा सके। इसके अतिरिक्त बल्क वेस्ट पर फोकस करने के लिए साप्ताहिक रूप से मंडियों और बाजारों को लक्ष्य बनाया जाएगा–जहां कचरा उत्पादन अधिक होता है और वहां से बेहतर पृथक्करण व प्रबंधन मॉडल अपनाए जा सकते हैं। बैठक में मुख्य रूप से अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ विजयपाल यादव, सफाई निरीक्षक मुख्यालय बिशन तेवतिया, आईसीई एक्सपर्ट कल्पना मंडल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में जिला प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान पाली फरीदाबाद के निर्देशानुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में किया जा रहा है। इसी कड़ी में विभिन्न विषयों न्यूट्रिशन, हेल्थ एंड सैनिटेशन, टोबैको फ्री हरियाणा, सैफ यूज ऑफ इंटरनेट आदि पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विद्यालय स्तर पर प्रथम विजेता खुशबू को ब्लॉक लेवल प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ हैं अभी पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा स्लोगन राइटिंग एवं कार्टून प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा विभाग द्वारा जनसंख्या दिवस के अवसर पर यह आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों की प्रतियोगिता में प्राध्यापिका सुशीला बेनीवाल ने

विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा प्राध्यापिका सरिता और प्राध्यापिका गीता ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विद्यालय में समय समय पर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सभी प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया जाता है तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्राचार्य मनचंदा ने विजेता छात्र छात्राओं को सम्मानित करते हुए विद्यार्थियों के प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में मिले अवसरों का लाभ विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ाता हैं तथा उन के सोचने की क्षमता को भी विकसित करता हैं उन्होंने सभी प्रतियोगिता करने वाले विद्यार्थियों का भी उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वस्थ प्रतियोगिता से आप को अपनी प्रतिभा को और अधिक प्रखर बनाने का अवसर प्राप्त होता है तथा आप के आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता में भी वृद्धि होती है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की सफलता पर प्राध्यापिका सुशीला, सरिता, गीता और ज्योति सहित अपने सभी शिक्षक वृंद का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के अथक परिश्रम से ही विद्यार्थियों को स्वयं का चहुमुखी विकास करने का अवसर प्राप्त होता है।

रूफटॉप पर अवैध विज्ञापन बोर्ड हटाने में नगर निगम की सख्ती, 25 से अधिक बोर्ड हटाए

Faridabad/Alive News

नगर निगम फरीदाबाद ने शहर की इमारतों और मकानों की छतों पर लगाए गए अवैध विज्ञापन बोर्ड हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को नगर निगम ने 25 से अधिक दुकानों और मकानों से विज्ञापन बोर्ड हटाए है। एडिशनल कमिश्नर ने बताया कि हरियाणा सरकार के विज्ञापन बायलॉज 2022 के अनुसार छतों पर विज्ञापन बोर्ड लगाने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद कई भवन मालिकों और दुकानदारों ने नियम तोड़े। पहले इन्हें नोटिस जारी किया गया था, लेकिन बोर्ड न हटाने पर कार्रवाई करनी पड़ी। निगम का कहना है कि आगे भी ऐसे बोर्ड हटाए जाएंगे और खर्चा भवन मालिक से वसूला जाएगा। यदि कोई व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी। नियमों के अनुसार, दुकान या प्रतिष्ठान पर बिना अनुमति केवल फ्रंट का 2त्न हिस्सा ही बोर्ड के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे बड़े बोर्ड के लिए नगर निगम से अनुमति लेना जरूरी है। यह अभियान कार्यकारी अभियंता और जेई के नेतृत्व में जारी है। निगम का लक्ष्य शहर को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाना है।

श्रीराम मॉडल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टी और स्वतंत्रता दिवस

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21 के श्रीराम मॉडल स्कूल में जन्माष्टी और स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर छोटे - छोटे बच्चों ने अपनी - अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिसमें नर्सरी से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत पर डांस, हरे कृष्ण हरे रामा गीत, आप्रेशन सिंदूर गीत पर बच्चों ने डांस किया, नुक्कड नाटक के माध्यम से आये अतिथि और विद्यार्थियों को जागरुक किया। कार्यक्रम का मंच संचालन एकता ग्रोवर और अंकिता महेश्वरी ने किया।

स्कूल के अध्यापक और अध्यापिका ने कार्यक्रम को तैयार करने में बच्चों के साथ मेहनत की और उनका आभार प्रकट करते हुए स्कूल की प्रिंसिपल डॉ अमृता ज्योति ने कहा कि यह अभिभावकों के सहयोग और बच्चों कि मेहनत से खुबसूरत बना है।

उन्होंने कहा कि बच्चों ने इस कार्यक्रम के माध्यम से यह बताया है कि यह आजादी मुफ्त में नही मिली है। इस के लिए शहीदों ने बहुत बड़ी किमत चुकाई है। इसलिए बच्चों को हमेशा आजादी की इज्जत करनी चाहिए। कई बच्चे आज आजादी का बहुत गलत उपयोग कर रहे है जोकि बहुत गलत है।

प्रिंसिपल डॉ अमृता ज्योति ने आगे बताया कि जन्माष्टमी केवल एक दिन नही मनाई जानी चाहिए। इसे मनाने का मकसद यह है कि बच्चों को श्रीकृष्ण और भागवत गीतामें दिए गए उनके ज्ञान के बारे में पता चले ताकि बच्चे उस ज्ञान को अपने जीवन में प्रयोग करें।

उन्होंने बताया कि उनके स्कूल में सुबह प्रार्थना में बच्चों को रोजाना श्रीमद्भागवत गीता का तत्व सार हरे कृष्णा हरे रामा का जप भी कराया जाता है और उन्हें यह जाप अपने घरवालों से करवाने के लिए भी कहा जाता है ताकि बच्चों को यह पता चले कि श्रीकृष्ण का युवाअवतार

में आने का क्या उद्देश्य था।

इस अवसर पर स्कूल स्टाफ में पूनम सिंह, रजनी जुग्गल, अनीता सेठी, मीनाक्षी टंडन, दीपिका सहगल, जसकीरत कौर, कंचन भाटिया, पूजा अरोड़ा, भावना शाह, मनोरमा शर्मा, मेघा वालिया, नेहा सबरवाल, सुखविंदर कौर, संगीता सचदेवा, सुमन मल्होत्रा, तरनबीर कौर, मंजोत कौर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिटी वन दफ्तर में यूनियन कर्मचारियों के चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न

Faridabad/Alive News

आज मंगलवार को बल्लभगढ़ यूनिट के अंतर्गत आने वाली सब डिवीजन सिटी वन में यूनिट के प्रधान मदन गोपाल शर्मा की अध्यक्षता एवं यूनिट के सचिव सुरेन्दर शर्मा के नेतृत्व में एचएसईबी वर्कर यूनियन कर्मचारियों के चुनाव सिटी वन दफ्तर में शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये गए । सब डिवीजन सिटी वन से सभी कर्मचारियों ने प्रीतम सिंह (एएफएम) को सब यूनिट का प्रधान, विक्रम सिंह (एलएम) को उपप्रधान, राहुल (एलडीसी) को सचिव, दिगम्बर सिंह (एएलएम) को सहसचिव, राकेश (एएफएम) को कैशियर, विजेन्दर सिंह (एएलएम) को संगठनकर्ता-1, रोहित (एलडीसी) को संगठनकर्ता-2, राहुल (एलएम) संगठनकर्ता-3 के पद पर कर्मचारियों ने अपनी सहमति जताते हुए सर्वसम्मति से चुना । जिसके बाद एचएसईबी वर्कर यूनियन में अपने अपने पद की गोपनीयता के लिये चुने गए नये पदाधिकारियों को यूनियन के वरिष्ठ नेता सन्तराम लाम्बा ने सभी का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत करते हुए शपथ ग्रहण करवाई ।

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में जन्माष्टमी पर्व को लेकर तैयारियां हुई तेज

Faridabad/Alive News

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर श्री सनातन धर्म महाबीर दल, मार्किट नंबर एक में जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों तेजी से शुरू हुई। मंदिर के प्रधान डा. राजेश भाटिया सहित अन्य कमेटी सदस्यों ने एक बैठक करके मंदिर में साज सज्जा व मनमोहक झांकियों बनाने को लेकर विचार विमर्श किया। इस मौके पर डा. राजेश भाटिया ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व हर वर्ष पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है और मंदिर प्रांगण में साज सज्जा को लेकर तैयारियों शुरु हो गई है और दूर दराज से कलाकार यहां आकर अपनी कला को अंतिम रूप देने में जुटे है। इस बार मंदिर में 35 फुट की तलवार, शेषनाग और कृष्ण भगवान का झूला आकर्षण का केंद्र रहेंगे, इसके अलावा भगवान राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियां श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करेगी।

मंदिर में जन्माष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी मंदिर कमेटी विशेष कार्य कर रही है, उनका यही प्रयास है कि जब श्रद्धालु भक्ति भाव से मंदिर में आए तो उसे यहां कोई असुविधा न हो। वहीं मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में टॉफी व सीटी दी जाएगी। इस दौरान डॉ भाटिया ने जन्माष्टमी को लेकर मंदिर कमेटी के सदस्यों को जिम्मेदारी भी सौंपीं। इस अवसर पर राकेश खन्ना, सचिन भाटिया, अमित नरूला, गगन अरोड़ा, रिंकल भाटिया, प्रेम बब्बर, खेम बजाज, मन्नू भाटिया, आशीष अरोड़ा, आशीष भाटिया, रमन तिवारी, पंकज अरोड़ा (पनकी), आयुष कुमार तिवारी व् अन्य सदस्यगण शमिल रहे

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

तिलक राज शर्मा
संपादक

गिरिराज सिंह

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दशार्ती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दशार्ता है।

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

संपादकीय

मिसाल हो कायम

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था। बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप), 376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई। 1632 पन्नों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रॉनिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं। हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने कन्नड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका। बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

ग्रामीण विकास के लिए स्वरोजगार बढ़ाओ

-रामलाल पाठक-

जनसंख्या बढ़ जाने के साथ ही हमारे देश एवं प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशुपालन एवं बागबानी आदि का कार्य कम होने तथा पारंपरिक व्यवसाय बंद होने से ग्रामीण स्तर पर रोजगार कम हुए हैं। ग्रामीणों ने भी अब पहले की तरह कड़ी मशक्कत करनी भी छोड़ दी है। इससे उनमें गर्मी व सर्दी सहन करने की भी क्षमता कम हुई है। नतीजतन उन्हें कई बीमारियां भी घेरने लगी हैं। कृषि से सम्बन्धित कार्य के लिए ट्रैक्टर व अन्य आधुनिक मशीनों के उपयोग में आने से भी पारंपरिक व्यवसाय न के बराबर रह गए हैं। यदि कहीं ऐसे छिटपुट व्यवसाय चल भी रहे हैं, तो यह घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। जिस काम को पहले चार लोग चार दिनों में पूरा करते थे, अब मशीनों से उस काम को कुछ ही समय में पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही मशीनों से होने वाला काम या उत्पाद सस्ता भी पड़ जाता है, जबकि हाथ से बनाए उत्पाद को बड़ी मुश्किल से औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। कई बार तो ऐसे कारीगरों को काफी घाटा भी उठाना पड़ता है। ग्रामीण स्तर पर लघु एवं कुटीर उद्योगों में भी भारी कमी आई है। इससे लोगों के पास काम-धंधा न होने से भी बेरोजगारी बढ़ी है।

हालांकि सरकार ऐसे उद्योगों के पुनरुत्थान के लिए सम्बन्धित लोगों को वित्तीय मदद भी दे रही है, लेकिन लोगों को ऐसा रोजगार चाहिए जिसमें प्रति माह निर्धारित धनराशि मिले, ताकि आसानी से वे अपना और अपने परिवार का गुजारा कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े उद्योग स्थापित न होने से युवा वर्ग रोजगार की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन कर रहा है। सारा सामाजिक ढांचा नगरों-महानगरों के आसपास बिखर गया है। किसानों द्वारा खेतीबाड़ी का काम कम करने या छोड़ देने से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर उपजाऊ भूमि बंजर होने के कगार पर पहुंच गई है। उस भूमि में बड़ी मात्रा में जहरीली घास फैल गई है। इससे पर्यवरण प्रदूषण फैल रहा है तथा पशुचारे की भी कमी हो गई है। इसके चलते पशुपालकों ने अपने पशु भी नगर-कस्बों की ओर धकेल दिए हैं। पहले गांव में जब व्यापक स्तर पर कृषि का काम होता था तो उसके साथ और भी कई पारंपरिक व्यवसाय थे। किसान अपनी उपज से ही उनका मेहनताना चुकाते थे। नकद पैसे का लेन-देन बहुत ही कम था। ऐसा भी कहा जाता है कि सरकार की कुछ कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कम ही दिखाई दे रही हैं। यह भी सच्चाई है कि कुछ लोगों के ढुलमुल रवैये के चलते कृषि एवं पशुपालन के व्यवसाय में बेहद कमी आई है। एक समय था जब किसान अपनी उपज से अपने परिवार के साथ ही अन्य पारंपरिक व्यवसाय करने वालों के परिवार का भी पेट पालता था। लोहार लोहे या लकड़ी के औजार व अन्य उपकरण बनाते थे। कारीगर बांस की टोकरियां, अनाज रखने वाली बड़ी-बड़ी पेडियां व अन्य छोटी-मोटी वस्तुएं बनाते थे। खड्डों-नालों के किनारे घराट चलाने वाले, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, जूते बनाने या उनकी मरम्मत करने वाले, बाल काटने वाले तथा ऊनी कपड़े बुनने वाले आदि व्यवसाय से जुड़े लोग अब गांव में कहीं ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। लोगों को रोजी रोटी की तलाश में कहीं दूर जाना पड़ता है। अपने घर का खर्च चलाने के लिए उन्हें नकद पैसे की भी जरूरत होती है। पहले ऐसे व्यवसाय करने वालों की काफी कदर होती थी। किसान हर फसल आने पर उन्हें काम के मुताबिक अनाज देते थे। इससे उनका गुजारा चला रहता था। ये सब किसानों की जरूरतों को पूरा किया करते थे।

लोग अनाज बेच कर रोजमर्रा का सामान खरीद लिया करते थे। लेकिन अब लोगों की दौड़ पैसे के लिए हो गई है। हम जो खा-पी रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए तरह-तरह की बीमारियां बढना भी स्वाभाविक ही है। हालांकि सरकार ने परंपरागत व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं। यह तभी संभव हो पाएगा, यदि कृषि के क्षेत्र का उत्थान होगा, क्योंकि यह सब व्यवसाय कृषि से ही जुड़े हैं। कृषि के साथ ही पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का ही रह गया है। हालांकि अब कृषि कार्य ट्रैक्टर व अन्य मशीनों से हो रहा है। फिर भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां अभी भी बैलों से ही खेती की जाती है। ऐसे किसानों को बैल पालने के लिए प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है। जबकि दुग्ध उत्पादकों को दूध का घर द्वार उचित मूल्य मिलना चाहिए। यदि पशुपालकों को उचित व नकद प्रोत्साहन मिले तो कोई भी अपने पशु कस्बों या शहरों में नहीं छोड़ेंगे। इससे बेसहारा पशुओं की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। हालांकि सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सरकार सब्सिडी देती है।

ऐसी योजनाएं कितनी कामयाब होती हैं, यह तो सर्वविदित ही है। व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए सरकारों ने विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं। बाद में यह कहकर मामला खत्म कर दिया जाता है कि जिस कार्य के लिए ऋण लिया था, वह काम ही नहीं चल पाया। इसलिए उसे बंद कर दिया है। ग्रामीण स्तर पर तैनात कर्मचारियों की कमी से भी कृषि की विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन समय पर नहीं हो पाता। इसकी औपचारिकताएं भी काफी जटिल होती हैं। काफी भागदौड़ करनी पड़ती है। इसलिए वे ऐसी योजनाओं के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। यदि सरकार कृषि व्यवसाय के उत्थान का प्राथमिकता के आधार पर हल निकाले, तभी बेरोजगारी भी कम होगी तथा दिनोंदिन बढ़ती महंगाई पर भी अंकुश लगेगा। इसके लिए नई योजनाएं बनाएं तथा उन्हें ईमानदारी से लागू कराएं। गांवों में सेवाओं का परस्पर आदान-प्रदान होता है। गांव को परिवार के ऊपर वाली इकाई माना जाता है। परिवार के स्तर पर भी कार्य विभाजन होता है, लेकिन गांव स्तर पर उससे भी बड़ा कार्य विभाजन होता है। कोई जूतों की रिपेयर करता है, कोई बाल काटने का व्यवसाय करता है, कोई मिट्टी के बर्तन बनाता है, कोई पशुपालन करता है, कोई कृषि कार्य करता है, कोई ऊनी वस्त्र बनाने का काम करता है, तो कोई अन्य सेवाओं की आपूर्ति करता है। इस तरह गांव को आत्मनिर्भर इकाई माना जाता है। आत्मनिर्भर गांव के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायतों को मजबूत करने की भी कोशिश होनी चाहिए। पंचायतों के आर्थिक संसाधन बढ़ाकर वे गांवों के समुचित विकास में योगदान कर सकती हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बना सकती हैं।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं।

पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

जीवन विकास का मुख्य आधार शिक्षा और उस शिक्षा की मुख्य आधारशिला पुस्तकालय होते है, शिक्षा को सक्षम बनाने में विकसित पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। विश्वभर में पुस्तकालयों ने बेहतर विकास किया है, अब ई-पुस्तकें और सभी प्रकार के ई-साहित्य इंटरनेट ने हर जगह आसानी से उपलब्ध हो जाते है। डिजिटल व वर्चुअल पुस्तकालयों की मांग लगातार बढ़ रही है। हमारे देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान, महंगे निजी शिक्षा संस्थान भी पुस्तकालयों को बेहतर ढंग से विकसित कर पाठकों को सर्वश्रेष्ठ सेवा उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। सरकार भी शिक्षा और पुस्तकालयों के विकास के लिए सहायता कर रही है, फिर भी जनसंख्या और आवश्यकतानुरूप उन्नत पुस्तकालयों के मामले में हम काफी पिछड़े हुए है। आज के आधुनिक युग में तकनीकी रूप से बेहद नवीनतम संसाधनों का उपयोग पुस्तकालयों में किया जा रहा है, ताकि पाठकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ कम समय में सहज मिल सकें। अभी एआई क्रांति शुरू हुई है, जिसने पुस्तकालयों को भी प्रभावित किया है, अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में हो रहा है।

देश में पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के पितामह कहलानेवाले पद्मश्री डॉ. एस आर रंगनाथनजी की जयंती 12 अगस्त को ÷राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस÷ के रूप में मनाई जाती है। पुस्तकालयों का बेहतर विकास, सेवासुविधा और प्रत्येक पाठक और पुस्तक तक सहज पहुंच पुस्तकालय के न्यायसंगत नीति का निर्धार है। पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथनजी ने दिए गए पुस्तकालय विज्ञान के पांच नियमों का कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने बेहतर ढंग से पालन किया जा सकता है। पुस्तकें उपयोग के लिए होती हैं, प्रत्येक पाठक को उसकी पुस्तक मिलनी चाहिए, प्रत्येक पुस्तक को पाठक मिलना चाहिए, पाठकों का

समय बचना चाहिए और पुस्तकालय एक विकासशील संस्था है। ये नियम पुस्तकालयों की सुलभता, उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं और उनके विकासशील स्वरूप के महत्व पर ज़ोर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन पाँच नियमों का बखूबी पालन कर सकती है।

आज के सूचना युग में हर पल डेटा का ज्ञानरूपी विस्फोट हो रहा है, उस ज्ञान का अत्यल्प समय में योग्य पाठक तक पहुंचना बेहद आवश्यक होता है, इसलिए अब तकनिकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ गयी है। बहुत से क्षेत्रों में अब एआई का उपयोग बेहद प्रभावशाली ढंग से किया जा रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचना क्षेत्र में बदलाव ला रही है और पुस्तकालयाध्यक्षों के पारंपरिक कार्य को नया रूप दे रही है। शैक्षणिक और शोध पुस्तकालय अपनी सेवाओं और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों को अपना रहे है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका मुख्य साधन है। पाठकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सक्रिय नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनाना होगा। यह उन्नत तकनीक पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए नए मार्ग खोलेगी। नए नवोन्मेषी पदों और भूमिकाओं को संभालने, वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने और उन्हें अप्रचलित होने से बचाने में मदद करेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण पाठकों के लिए योग्य पुस्तकें, लेख और अन्य साहित्य सामग्री तेज़ी से ढूंढ़ना आसान बनाते हैं। मशीन लर्निंग के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताएं शैक्षणिक पुस्तकालयों में व्यक्तिगत शिक्षण अनुभवों खोलती हैं। उपयोगकर्ताओं के व्यवहार और प्राथमिकताओं का विश्लेषण करके, पुस्तकालय व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर सुझाव और संसाधन तैयार कर सकते हैं। एआई साहित्यों के उपयोग पैटर्न का विश्लेषण करके और विशिष्ट संसाधनों की भविष्य की मांग का अनुमान लगाकर संग्रह विकास को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है।

अनुक्रमण स्वचालन पाठकों को नई सामग्री खोजने, विशिष्ट और सटीक साहित्य सामग्री उपलब्ध कराकर और विभिन्न विषयों के बीच नेविगेट करने में भी एआई मदद करेगा, जो मैन्युअल अनुक्रमण के साथ आसानी से संभव नहीं है, जिससे पाठकों और कर्मचारियों का समय बचेगा। किसी एक विषय पर दस्तावेज़ों का मिलान करना या समान विषय, समाधान या घटना का वर्णन करने वाले अनुभाग जोड़ना संभव है। विषय से प्रासंगिक रूप से संबंधित हज़ारों दस्तावेजों की सामग्री की तुलना कर सकते हैं। दुनियाभर में इंटरनेट पर उपलब्ध साहित्यों में से एआई विषय अनुसार दस्तावेज को खोजकर उसका अध्ययन करके उसका डाटा पाठकों को जल्द प्रदान करता है। शोधपत्रों के वास्तविक पाठ पर आधारित एआई एल्गोरिदम वास्तविक शोध की बेहतर मानचित्रण प्रणालियां तैयार करेगा, जिससे शोधकर्ताओं के लिए यह सहायक साबित होंगे। किसी भी पुस्तक या लेखों का सारांशीकरण एआई की मदद से करना बेहद आसान प्रक्रिया है, बड़े-बड़े डेटा को यह छोटे-छोटे पैराग्राफ में उपलब्ध कर देता है।

एआई साधन नई पुस्तक, पत्रिका या अन्य साहित्य प्रकाशित होने पर अलर्ट साथ ही पाठकों को विशिष्ट पुस्तकालय संसाधनों तक निर्देशित कर सकते हैं। बार-बार दोहराए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने की झंझट खत्म होगी, दुहराव रुकेगा, समय की बचत होगी। पुस्तकालय के काम में गुणवत्ता बढ़ेंगी। शोध का सत्यापन या पुन-प्रयोज्यता उसके पाठकों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ठोस और मान्य शोध ही है जो व्यापक पाठकों का हकदार है। पुस्तकालय प्रक्रियाओं और डिजिटल संसाधनों में मशीन लर्निंग को लागू करने से संग्रह विश्लेषण, विजुअलाइज़ेशन और संरक्षण को अनुकूलित किया जा सकता है और सेवाओं के प्रावधान से जुड़ी लागतों को कम किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण उन्नत खोज क्षमताएं प्रदान करके, प्रासंगिक संसाधनों की अनुशंसा कर डेटा विश्लेषण में सहायता करके छात्रों और शोधकर्ताओं की मदद होती है। पुस्तकालयों में वर्चुअल असिस्टेंट और चैटबॉट का उपयोग काफी सामान्य हो गया है, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर मार्गदर्शन।

(लेखक के स्वतंत्र विचार)

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

नगर निगम में डिप्टी मेयर चुनाव पर गुटबाजी हावी

Faridabad/Alive News

सात वर्षों बाद हो रहे फरीदाबाद नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में राजनीतिक पेंच फंस गया है। आज सोमवार को बडखल से विधायक धनेश अदलक्खा कुछ पार्षदों को लेकर निगम सभागार से बाहर चले गए। इसके बाद भाजपा के भीतर गुटबाजी के संकेत और स्पष्ट हो गए। हालात तब और गर्मा गए जब बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा और एनआईटी क्षेत्र के विधायक सतीश फागना भी अपने-अपने पार्षदों के साथ सभागार से बाहर निकल गए। इस घटनाक्रम के चलते चुनावी प्रक्रिया पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं।

समाधान नहीं निकला तो करेंगे आंदोलन-विजय प्रताप

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड गोल चक्कर पर हुई महापंचायत के एक महीना पुरा होने के बाद भी निरंतर चल रहे धरने पर रविवार को गांव अनंगपुर की चौपाल पर बड़ी मीटिंग का आयोजन किया गया ।पंचायत को सम्बोधित करते हुए विजय प्रताप ने कहा कि एक महीना बीतने के बाद अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। इस मसले को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल दोबारा जनप्रतिनिधियों से मिले और जानकारी ले।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में लोगों की आबादी को उजाड़ने के लिए नहीं कहा गया है। अधिकारी अपने स्तर पर ही काम करते रहे , जनप्रतिनिधियों ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया । सुप्रीम कोर्ट का आर्डर तो 2022 में आ गया था लेकिन 2024 में आने वाले चुनावों के चलते मामले को लटका दिया गया था। सन 1900 में अंग्रेजों के समय में भूमि को संरक्षण देने के लिए पीएलपीए बनाया गया उस समय ये जॉइंट पंजाब जिसका बड़ा हिस्सा अब पाकिस्तान में है पर लागू था और इसकी मियाद एक बार में केवल 30 साल के लिए तय की गई थी ताकि लोगों की भूमि का स्वामित्व वन विभाग ना हड़प ली इसी पीएलपीए के तहत अनंगपुर की 1467 एकड़ भूमि पर 1992 में 30 वर्षों के लिए लगाया गया था। जोकि 2022 में समाप्त हो चुका हैं उसको रिन्यू करने का कोई मामला नहीं है। उन्होंने महापंचायत में रखी गई मांगों को लेकर कहा कि सरकार तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाए। टूटे हुए

निर्माणों का सरकार मुआवजा दे, 4500 एकड़ पहाड़ में से 2 हजार एकड़ पीएलपीए फोरस्ट में देकर 2500 एकड़ जोकि ग्रामीणों की है वह गांव के लोगों के इस्तेमाल के लिए छोड़ी जाए। सरकार ऑर्डिनेंस लाए और सुप्रीम कोर्ट से राहत दिलवाए।

महापंचायत के बाद मुख्यमंत्री जनप्रतिनिधियों के साथ केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल मिले । उन्होंने आश्वासन देते हुए तीन बार गरीब लोग बोल कर कहा था कि इन गरीबों के मकान ना तोड़े जाए ये सुप्रीम कोर्ट से आग्रह सी ई सी के माध्यम से हरियाणा सरकार करेगी इस बात से शंका होती है की हरियाणा के मुखिया जी को पुरी जानकारी नहीं दी गई थी कि तभी उन्होंने कहा कि गरीब लोग बसे हैं उन्हें उजाड़ा नहीं जाएगा। लेकिन 1960 से यहां फैक्ट्रियां लगी पड़ी हैं ऐतिहासिक गांव अनंगपुर ऐसा गांव है जिसने अपने सैकड़ों एकड़ भूमि तो गुरुकुल को दान दे दी थी।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया अगले हफ्ते एक प्रतिनिधि मण्डल अपने जनप्रतिनिधियों से मिले और पूछे की एक महिना बीत गया है । आपके आश्वासन का क्या हुआ। अगर समस्या का समाधान नहीं निकला तो वह शांतिपूर्ण आंदोलन की तैयारी करे। पंचायत की अध्यक्षता अंनगपुर संघर्ष समिति के अध्यक्ष अतर सिंह नेता जी ने की।

इस अवसर पर रणबीर चंदीला ,रजिंदर चपराना ,रघबर भड़ाना सरपंच पाली ,जयहिंद नंबरदार ,देवेन्द्र भड़ाना पूर्व मेयर ,प्रेम कृष्ण आर्य पप्पी ,जसबीर जस्सी सरपच ,पप्पू सरपंच ,ओम भड़ाना पाली ,हरिंदर भड़ाना पार्षद ,एडवोकेट कन्हैया,राजकुमार भड़ाना ,पदम भड़ाना ,अजयपाल सरपंच ,सरदार उपकार सिंह ,अनीशपाल ,रोहताश बिधुड़ी ,योगेश भड़ाना ,सुशील भड़ाना ,धरम भड़ाना ,प्रेम सिंह ठेकेदार ,तल्लू प्रधान,भगवत भड़ाना ,चमन भड़ाना ,महेंद्र भड़ाना ,बाबू भड़ाना ,हरि भड़ाना ,दयाराम प्रधान ,राजेन्द्र नंबरदार ,श्री चंद भड़ाना ,कालू तंवर अनेक मौजिज लोग उपस्थित थे

बल्लभगढ़ में भव्य तिरंगा यात्रा, देश की एकता और अखंडता का संदेश

Faridabad/Alive News

रविवार को बल्लभगढ़ में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि और विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सेक्टर-3 गुड़गांव कैनाल से हुआ और यह तिगांव रोड, शनिमंदिर, पंचायत भवन होते हुए अंबेडकर चौक ऑडिटोरियम पर समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। अपने संबोधन में कृष्णपाल गुर्जर ने मूलचंद शर्मा को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना और सुरक्षा व्यवस्था पहले से ज्यादा मजबूत हुई है। सरकार ने न सिर्फ देश की सीमाओं की सुरक्षा बढ़ाई है, बल्कि किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं भी लागू की हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा के अलग-अलग जिलों में इस तरह की तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो देशभक्ति और एकता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों, मजदूरों और जवानों का हमेशा ध्यान रखा है और देश को एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान किया है। यात्रा में भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन, महिलाएं और युवा शामिल हुए। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करना और नागरिकों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना रहा।

यथार्थ हॉस्पिटल ने किया राखी के त्यौहार का आयोजन

Faridabad/Alive News

यथार्थ हॉस्पिटल फरीदाबाद ने आज राखी के त्यौहार का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक महिलाओं को मुफ्त में मेंहदी लगाई गई और हॉस्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं आई वी एफ विशेषज्ञों ने सभी महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया । हॉस्पिटल के वाइस प्रेसीडेंट सेल्स एवं मार्केटिंग सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को मुफ्त ओ पी डी एवं उपहार भी दिये गये। जरनल मैनेजर सेल्स दीपक खत्री ने बताया कि आज के दिन एमआरआई, सीटी स्कैन, एक्स रे और लैब टेस्ट पर 30 प्रतिशत एवं फार्मेसी पर 10 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की गई। इस अवसर पर सीओओ डॉ अनुराग शर्मा, डॉ पूर्णिमा राव, डॉ चंचल गुप्ता, डॉ शिल्पा सूद,सिद्धार्थ शर्मा, दीपक खत्री आदि शामिल रहे और आए हुए सभी अतिथियों का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया

अभाविप ने छात्रा वंशिका बर्नेला आत्महत्या प्रकरण में की निष्पक्ष जांच की मांग

Faridabad/Alive News

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जे.सी. बोस विश्वविद्यालय फरीदाबाद इकाई ने विश्वविद्यालय परिसर में हुई छात्रा वंशिका बर्नेला की आत्महत्या की हृदय विदारक घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच की मांग की है। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन होने के नाते परिषद सदैव छात्र हित में कार्य करता है और कैंपस में सुरक्षित, सकारात्मक एवं रचनात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है। परिषद ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और रजिस्ट्रार अजय रांगा को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाए। आईसीसी (आंतरिक शिकायत समिति) को सक्रिय करते हुए पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कराई जाए। अभाविप ने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया कि इस मामले को गंभीरता से जांच जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो। राज्य विश्वविद्यालय सह-संयोजक दिव्यांशु यादव ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है और यदि प्रशासन लापरवाह पाया जाता है, तो परिषद छात्र हित में संघर्ष करने से पीछे नहीं हटेगी। इस अवसर पर अमन सोनी, आंचल नगर, अदिति, अंजली उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त ने बैंक, पेट्रोल पंप और ज्वेलर्स से की बैठक, सुरक्षा के दिए निर्देश

Faridabad/Alive News

शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस आयुक्त ने बैंक प्रबंधकों, पेट्रोल पंप संचालकों और ज्वेलरी शॉप मालिकों के साथ बैठक की। इस दौरान सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई और जरूरी निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी बैंक, पेट्रोल पंप और ज्वेलरी शॉप में अच्छी गुणवत्ता वाले नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे लगाएं और यह सुनिश्चित करें कि कैमरे सही तरह से काम कर रहे हों। कैमरे इस तरह लगाए जाएं कि आने-जाने वाले लोगों का चेहरा स्पष्ट दिखे। डीवीआर को सुरक्षित जगह पर रखा जाए और कम से कम एक महीने का बैकअप रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि इन स्थानों पर हेल्पलाइन नंबर, डायल 112 और नजदीकी थाने/चौकी के नंबर के बोर्ड लगाए जाएं। अनुभवी और हथियारबंद सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएं, कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराएं, एटीएम बूथ पर 24 घंटे गार्ड हों, अलार्म सिस्टम सही हालत में रहे और आग बुझाने वाले यंत्रों की समय-समय पर जांच हो। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दी जाए। ज्वेलर्स ने सुझाव दिया कि रात में दुकानों के पास पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाए। इस पर पुलिस आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि रात में सुरक्षा के लिए ईआरवी/राइडर पॉइंट्स तय किए जाएंगे। बैठक में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल, पुलिस उपायुक्त एनआईटी मकसूद अहमद, सहायक पुलिस आयुक्त जितेश मल्होत्रा, निरीक्षक राजेश कुमार, प्रभारी सुरक्षा शाखा समेत बैंक, पेट्रोल पंप और ज्वेलरी शॉप के संचालक मौजूद रहे।

सतयुग दर्शन ट्रस्ट का विश्वस्तरीय निष्काम सेवा अभियान 31 अगस्त तक बढ़ा

Faridabad/Alive News

भूपानि ग्राम स्थित सतयुग दर्शन ट्रस्ट ने मानवता, करूणा और निष्काम सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 1 जुलाई से शुरू किए गए विश्वस्तरीय निष्काम सेवा अभियान को सेवा के नए आयाम देते हुए 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त 2025 तक जारी रखने का निर्णय लिया है।

ट्रस्ट के प्रवक्ता के अनुसार, इस अभियान में प्रत्येक सेवादार ने अपनी एक माह की आय मानवता की सेवा के लिए समर्पित की है। इसके माध्यम से लाखों जरूरतमंद परिवारों को राशन, कपड़े, शिक्षण सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाई गईं।

अभियान के दायरे में अब केवल मानव सेवा ही नहीं, बल्कि गायों, कुत्तों, पक्षियों जैसे मूक प्राणियों की सेवा भी शामिल की गई है। प्रत्येक सदस्य ने प्रतिदिन 50 से 100 रुपये मूल्य तक की सामग्री जैसे रोटी, दूध, दाना, बाजरा, मक्का आदि इन प्राणियों को उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। इस सेवा भावना को और व्यापक बनाने के लिए 1 अगस्त से 30 सितंबर तक अभियान देश-विदेश में जोर-शोर से चलाया जाएगा।

ट्रस्ट का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में आत्मीयता, करूणा, दया और सेवा की भावना को जागृत करना है, ताकि लोग फल की इच्छा से मुक्त होकर उदार हृदय से हर प्राणी की सेवा कर सकें। इस प्रयास से समाज में समरसता, सकारात्मक ऊर्जा और प्रेम का प्रसार हो रहा है।

अभियान की गूंज भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, जर्मनी, कुवैत, कतर और इंग्लैंड जैसे देशों में भी सुनाई दी है। ट्रस्ट का यह स्पष्ट संदेश है कि उसके लिए जाति, धर्म और रंगभेद से ऊपर मानवता सर्वोपरि है।

सतयुग दर्शन ट्रस्ट के अन्य कार्यक्रम जैसे मानवता-ई-ओलंपियाड, स्पिरिचुअल एलोक्रेंस और स्पिरिचुअल इकोज भी बचपन से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

ट्रस्ट ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे 7 सितंबर 2025 को विश्व समभाव दिवस के अवसर पर ट्रस्ट के विशाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लें और इस निष्काम सेवा अभियान का प्रत्यक्ष अनुभव करें। इच्छुक व्यक्ति ट्रस्ट की मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर इसकी गतिविधियों से जुड़ सकते हैं।

सतयुग दर्शन इंस्टीट्यूट में बीबीए, बी.टेक व बीसीए नवागंतुकों के लिए भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

Faridabad/Alive News

सतयुग दर्शन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सत्र 2025-26 के बीबीए, बी.टेक और बीसीए के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक और सकारात्मक बना दिया।

सतयुग दर्शन ट्रस्ट के मेंबर सजन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा वह है जो ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन और विनम्रता को भी विकसित करे। उन्होंने विद्यार्थियों से एकाग्रता, ईमानदारी और सकारात्मक सोच अपनाने का आग्रह किया।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र त्यागी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, विषयों की गहरी समझ विकसित करने और कौशल-विकास गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। साथ ही शालीन तनेजा , मैनेजिंग कंसल्टेंट आईबीएम ऐंड में बीओजी ने बताया कि आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफलता के लिए अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ संचार कौशल, नैतिक आचरण और अनुकूलन क्षमता आवश्यक है।

डॉ. मनप्रीत कौर (एचओडी, मैनेजमेंट स्टडीज), डॉ. अशोक शर्मा (एचओडी, अप्लाइड साइंसेज़), श्री शिरीष गुप्ता (बी.टेक कोऑर्डिनेटर) और डॉ. मृणाल मंजीरी (बीसीए कोऑर्डिनेटर) ने विद्यार्थियों को विभागीय विज़न, शैक्षणिक अवसरों और करियर तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

विशेष सत्र में केशव शुक्ला ने संगीत कला केंद्र की गतिविधियों से अवगत कराया और विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कलाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, वहीं सुश्री प्रीति सिधवानी ने ध्यान कक्ष की दर्शन-परंपरा पर प्रकाश डालते हुए ध्यान, आत्म-शांति और आत्म-अनुशासन के महत्व को समझाया।

कार्यक्रम का संचालन उत्साहपूर्ण और सुचारू रूप से डॉ. रवि बक्शी, परमजीत सिंह और सुश्री वीनेता चौधरी ने किया। कार्यक्रम का समापन इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जिसने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और उत्साह का संचार किया।

विधायक ने किया गौंछी श्मशान घाट की दीवार का निर्माण और सौंदर्यीकरण

Faridabad/Alive News

एनआईटी विधायक सतीश फागना और पार्षद राजेश डागर के अथक प्रयास से आज रविवार को सोहना रोड़ स्थित गौंछी श्मशान घाट की दीवार का निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य का उद्घाटन किया गया है। यह निर्माण कार्य 28 लाख रुपये की लागत से संपन्न होगा। मौके पर स्थानीय निवासी एवं शिक्षा विध रमेश पाल ने नारियल तोड़कर दीवार का उद्घाटन किया है। विधायक सतीश फागना ने कहां प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से एनआईटी विधानसभा में विकास कार्यों में कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने एनआईटी के अंदर आने वाले इस गौंछी के श्मशान घाट की दीवार के लिए जो समाज ने सहयोग दिया है उसके लिए वह धन्यवाद है। उन्होंने ने अपील की है कि ऐसे ही समाज एनआईटी के विकास में सहयोग करें ताकि पार्क, कम्युनिटी सेंटर, धार्मिक स्थलों और सरकारी स्कूलों को भी सुधारा जा सकेगा। इस मौके पर आसपास की सामाजिक संस्थाएं और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सराय के गवर्नमेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली हर घर तिरंगा रैली

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा स्थित गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड सदस्यों द्वारा सराय ख्वाजा मेन मार्केट फरीदाबाद एवं सीमावर्ती कालोनियों से हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा रैली में अस्सी से भी अधिक जूनियर रेडक्रॉस तथा ब्रिगेड सदस्यों ने प्रतियोगिता की । भारत सरकार देश के नागरिकों को इस अभियान के माध्यम से जागरूक कर रही है इस अभियान में देश के करोड़ों नागरिक भाग ले रहे है। हर घर तिरंगा अभियान मे प्रत्येक देशवासी तिरंगे के पीछे बलिदानियों के अमिट बलिदान पर कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है। हर घर तिरंगा अभियान से नई पीढ़ी के साथ साथ देश के सभी लोगों मे देश के प्रति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान बढ़ रहा है। देश के सभी राज्यों से लेकर सभी स्थानों पर स्वतंत्रता सप्ताह में तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा दौड़ और तिरंगा अभियान जैसे अनेक देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। तिरंगा अभियान से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान हर घर तिरंगा प्रतिज्ञा भी ली जाती है। उन्होंने कहा कि देश के सभी लोगों का और विशेष कर युवाओं का जागरूक रहना और विभिन्न चुनौतियों से लड़ने में सक्षम होना नितांत आवश्यक है। इस अभियान का उद्देश्य सभी आयु के

लोगों को साथ लेकर चलने के साथ साथ आयु के अनुसार लोगों में भेदभाव को समाप्त करना है जो युवा, वयस्क और वृद्ध सभी को प्रभावित करता है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने युवाओं से हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा के अंतर्गत सभी की देशभक्ति के रंग में सरोबार होकर एक होने की अपील की। तिरंगा रैली में उन्होंने सभी छात्राओं, अध्यापकों ज्योति सरिता, सुषमा, सुशीला, सुरेंद्र और अन्य सदस्यों का सम्मिलित होने पर हर घर तिरंगा यात्रा सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

बीपीटीपी प्राइड पार्कलैंड सोसायटी के पीबी ब्लॉक में नहीं है पक्की रोड, निवासी सांप बिच्छू से परेशान

Faridabad/Alive News

बीपीटीपी प्राइड पार्कलैंड सोसायटी पीबी ब्लॉक में पक्की रोड न होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। आसपास झाड़ियों की सफाई नही होने से के कारण सांप निकल रहे हैं।छोटे बच्चे और बड़े बुजुर्गों के काटने का डर बना हुआ है। इन झाड़ियों होने के कारण आए दिन किसी न किसी के घर में सांप या बिच्छू निकलते रहते हैं।

स्थानीय निवासी सरिता ने बताया कि वह दो साल से यहां रह रही है और रोड बनने का इंतजार कर रही है कि कब यह रोड बनेगा। कल रक्षाबंधन के त्यौहार वाले दिन भी पांच घंटो के लिए लाइट नहीं थी और आज भी सुबह चार बजे की लाइट गई है जो अब तक नहीं आई है।

लोगों का कहना है कि जब उन्होंने घर लिया था तो उनसे यह कहा गया था कि यह रोड छह महीने के अंदर बना दी जाएगी। परन्तु आज तीन साल हो गए है लेकिन रोड बनाना तो दूर, यहां कम्पनी के लोगों ने झांका भी नही है।

क्या कहना है स्थानीय निवासियों का

लोगो से रोड बनाने के दावे तो कर दिए पर उन्हें पूरा नहीं किया । यहां तो लोगो को सही से बिजली भी नही दी जाती है साथ ही सांप और बिच्छू के काटने का भी डर बना हुआ है। परिजन अपने बच्चों को घर से बाहर निकालने में भी डर रहे है।

कसल तवर, स्थानीय निवासी

क्या कहना है आरडब्लूए के सदस्यों का

करीब दो साल तक लोगों को बिजली का बैकअप दिया पर अब इस बैकअप को हटा दिया गया है जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुविधा के नाम पर यहां कुछ नहीं और मेंटेनेंस दस रुपये पर गज है जब पूछते है कि यह मेंटेनेंस किस नाम पर लेते हो कुछ नहीं बताते ।

दुष्यंत शर्मा, एडवोकेट

यहां रोड न होने के कारण लोगों को काफी परेशानी होती है साथ ही बरसात के दौरान यहां से सांप निकलते है जिससे जान का खतरा भी बना रहता है।

राजकुमार, उप प्रधान

लोगो ने बिजली के लिए कई जगहों से तार डाले हुए है जिस कारण रोज फाल्ट होता है। जो ट्रांसफार्मर लगाया गया है उसकी कैपेसिटी बहुत कम है।

दीपक, सेक्रेटरी

क्या कहना है बीपीटीपी का

बीपीटीपी में, जहां भी सेल एग्रीमेंट में डीजी बैकअप की बात कही गई है इस परियोजना में भी उसे कमिटेड स्पेसिफिकेशंस के हिस्से के रूप में विधिवत प्रदान किया गया है। जिन यूनिट्स में डीजी बैकअप मूल समझौते का हिस्सा नहीं था, उनके लिए और हमारे कस्टमर-फर्स्ट एप्रोच को ध्यान में रखते हुए, हमने सक्रिय रूप से निवासियों को कॉस्ट - रिकवरी के आधार पर इस सुविधा का लाभ उठाने का विकल्प दिया है। जिन निवासियों ने इस प्रावधान को चुना है, वे पहले से ही डीजी बैकअप सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, और हम ऐसे वैल्यू एडेड इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशन को शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां भी वे रहने के अनुभव को बेहतर बनाते हैं।

रोहित मोहन, प्रेसिडेंट, बीपीटीपी

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

हरियाणा के जर्जर स्कूलों पर हाईकोर्ट में याचिका दायर करेगा हरियाणा अभिभावक एकता मंच

Faridabad/Alive News

हरियाणा के सरकारी स्कूलों की जर्जर बिल्डिंगों और कमजोर कमरों की स्थिति को लेकर हरियाणा अभिभावक एकता मंच और ऑल इंडिया पेरेंट्स एसोसिएशन (एआईपीए) अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने जा रहे हैं। मंच के अनुसार, यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और एआईपीए के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल के माध्यम से पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में दाखिल की जाएगी। मंच के लीगल सेल ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओ.पी. शर्मा और लीगल एडवाइजर एडवोकेट बी.एस. विरदी ने बताया कि मंच की ओर से 1 अगस्त को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय में एक आरटीआई आवेदन दिया गया है। इसमें फरीदाबाद जिले के दोनों शिक्षा ब्लॉकों बल्लभगढ़ और फरीदाबाद के प्राइमरी, मिडिल, हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की सूची मांगी गई है, जिनकी बिल्डिंगें, कमरे या चारदीवारी जर्जर या खतरनाक हालत में हैं। मंच ने यह भी पूछा है कि संबंधित स्कूलों के प्रिंसिपलों या हेडमास्टर्स ने यदि कोई पत्राचार करके इस बारे में जानकारी दी है, तो उस पत्राचार की प्रतियां भी उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही, यह जानकारी भी मांगी गई है कि शिक्षा विभाग ने इन पर अब तक क्या कार्रवाई की है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा और प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा ने स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों, पार्षदों, सरपंचों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों से अपील की है कि वे इस जनहित कार्य में सहयोग करें। उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि अपने क्षेत्र के सरकारी या निजी स्कूलों की जर्जर बिल्डिंगों की तस्वीरें और वीडियो, स्कूल के नाम के साथ मुख्यमंत्री को ईमेल करें और मंच के वाट्सएप नंबर 9810499060 पर भी भेजें। इन जानकारियों का उपयोग हाईकोर्ट में दायर की जाने वाली याचिका में किया जाएगा ताकि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जीवा स्कूल में इंट्रैक्ट क्लब इंस्टॉलेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

Faridabad/Alive News

जीवा पब्लिक स्कूल में इंटरैक्ट क्लब के नए सत्र की शुरुआत के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इंटरैक्ट क्लब, रोटरी क्लब की एक युवा शाखा है, जिसका उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीवा संस्थान के अध्यक्ष श्री ऋषिपाल चौहान ने की। उनके साथ जीवा आयुर्वेद के एमडी श्री मधुसूदन चौहान, विद्यालय की उपाध्यक्षा श्रीमती चंद्रलता चौहान, एकेडमिक हेड श्रीमती मुक्ता सचदेव, उपप्रधानाचार्या श्रीमती रितु कंवर और क्लब की संयोजिकाएँ सुश्री दीपा गाबा व सुश्री गीता रावत मंच पर मौजूद रहीं। इस अवसर पर रोटरी क्लब के कई सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य अतिथि रोटेरियन मोना पुरी (इंटरैक्ट चेयर), विशिष्ट अतिथि रोटेरियन अमित गर्ग (सहायक गवर्नर, ज़ोन 20), रोटेरियन अनमोल जिंदल (पेरेंट्स क्लब प्रेसिडेंट), रोटेरियन करन गुप्ता, रोटेरियन नेहा जिंदल, रोटेरियन दीप्ति गुप्ता, रोटेरियन अंकुर अग्रवाल, रोटेरियन सुशांत गुप्ता, रोटेरियन भावतोष हांडा और रोटेरियन नीरज भूटानी शामिल रहे। पूर्व अध्यक्षा हिमांगी नरूला ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा किया और नवनिर्वाचित अध्यक्षा यशिका को कॉलर पहनाकर जिम्मेदारी सौंपी। इसके बाद क्लब के सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को विशेष पिन लगाकर सम्मानित किया गया और पेरेंट्स क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन अनमोल जिंदल ने सभी को शपथ दिलाई।

इस वर्ष इंटरैक्ट क्लब की जिम्मेदारी निम्नलिखित छात्रों को सौंपी गई- अध्यक्ष- यशिका (कक्षा 11), सह-सचिव- वंशिका शर्मा, सेक्रेटरी- विभोर, सर्जेंट एट आर्म्स- आशना, कोषाध्यक्ष- डॉल्सी, जॉइंट सेक्रेटरी- तन्वी, डायरेक्टर ऑफ पब्लिक इमेज- नंदनी, डायरेक्टर ऑफ क्लब सर्विस- जयेश,डायरेक्टर ऑफ वोकेशनल सर्विस- समायरा, कम्युनिटी सर्विस प्रोजेक्ट डायरेक्टर- ज़ैद।

रोटेरियन अनमोल जिंदल ने रोटरी क्लब द्वारा किए गए समाजसेवी कार्यों की वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी दी और छात्रों को इस क्लब से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि सुश्री मोना पुरी ने जीवा स्कूल की सकारात्मक ऊर्जा और शैक्षणिक वातावरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह स्कूल छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल भी सिखाता है।

जीवा आयुर्वेद के एमडी मधुसूदन चौहान ने कहा कि आज की दुनिया में सच्चा सुख जीवन के मूल्यों में है, न कि सिर्फ अंकों या भौतिक सुख-साधनों में। उन्होंने बताया कि जीवा स्कूल का उद्देश्य बच्चों को नैतिकता, सेवा भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव देना है।

अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने मंच से उपस्थित अतिथियों को जीवा लर्निंग सिस्टम की विशेषताओं से अवगत कराया। अंत में, उपप्रधानाचार्या रितु कंवर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद सैफायर्स और ऐब्सलूट डेंटल केयर ने एक चैरिटेबल डेंटल क्लिनिक का किया उद्घाटन

Faridabad/Alive News

रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद सैफायर्स और ऐब्सलूट डेंटल केयर के संयुक्त सहयोग से एक चैरिटेबल डेंटल क्लिनिक का उद्घाटन रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ रवि गुगनानी द्वारा एनआईटी-5, फरीदाबाद में किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ रवि गुगनानी के साथ गेस्ट ऑफ ऑनर रोटेरियन अजीत जालान उपस्थित रहे उन्होंने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सभी मौजूद रोटरी सैफायर्स के सदस्यों को संबोधित किया। रोटरी प्रधान अंजू श्रीवास्तव और डॉ सरू मनचंदा जिनकी अगुवाई में ये क्लिनिक चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस क्लीनिक पर सभी जरूरतमंद लोगों को बहुत कम कीमत पर बहुत अच्छा दांतों का इलाज किया जाएगा ताकि कोई मरीज पैसे की तंगी से इलाज से वंचित न रह जाए। रोटरी सैफायर्स की तरफ से सचिव रजनीश मलिक, कोषाध्यक्ष दलीप वर्मा, नरेश मलिक, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, राकेश जैन, गीता जैन, मीनू वर्मा, पंकज निगम, सीमा, सोमेश्वर सिंह, डॉ धीरज मौजूद रहे।

IMA Haryana Holds Online Meeting with ACS Health on ABHPA Issues

Faridabad/Alive News

An online meeting was held on 6th August 2025 between Team IMA Haryana, Additional Chief Secretary (ACS) Health Sh. Sudhir Rajpal, and officials of ABHPA Haryana. Representing IMA were President Dr. M.P. Jain, Immediate Past President Dr. Ajay Mahajan, President Elect Dr. Sunila Soni, Secretary Dr. Dhirendar K. Soni, and Chairman of Ayushman Committee Dr. Suresh Arora.

Funds Received: Officials shared that 245 crores rupees were received recently 175 crores rupees as this quarter's budget and 70 crores rupees from the Central Government's share. The funds are being distributed on a FIFO (First In, First Out) basis.

Budget Shortage: For the ongoing issue of insufficient budget, they informed that a demand for supplementary funds will be raised in the Haryana Assembly's Monsoon session on 22nd August. However, they couldn't confirm how much would be requested or approved.

Penal Interest: Officials clarified that penal interest on delayed payments cannot be given. In fact, if hospitals file a case after 7 days, the government is technically allowed to charge interest from hospitals although they are not doing this currently.

Implant Deductions: Regarding automatic deductions of implant costs by the portal, they stated that the National Health Authority (NHA) has already paid for them. A list of such cases will be shared with the respective hospitals.

Unjust Deductions: For unjust or unclear deductions, they asked IMA to provide specific examples. They admitted that specialists haven't been hired yet for proper case-checking and blamed poor data uploads from hospitals for consuming extra manpower.

NABH Incentive: Hospitals already receiving incentives under HEM 1 will continue to get them if their NABH certificate is still valid. For HEM 2, onboarding will happen only after completing all required formalities.

IMA's Role in Committees: ACS Health has approved that the IMA Haryana President or a representative will be included in the State Empanelment Committee and State Grievance Redressal Committee. Final approval is pending at the CEO's level.

Investiture Ceremony and 79th Independence Day Celebrated at DAV Gian Prakash Chopra Public School

Faridabad/Alive News

DAV Gian Prakash Chopra Public School, Sector 49, Faridabad, celebrated its Investiture Ceremony and the 79th Independence Day with great enthusiasm and pride. The event began with the chanting of the Gayatri Mantra and the lighting of the ceremonial lamp, following the Vedic tradition. The Chief Guest, Retired Colonel Sudeep Khasnavis, and the Guest of Honour, Ms. Madhu Omchery, Chairperson of the school, were warmly welcomed. The programme featured patriotic songs, energetic dance performances, and a heartfelt Hindi poem by the students, which stirred patriotic emotions among the audience. During the ceremony, the newly elected Student Council for the 2025–26 session was officially sworn in, in the presence of parents and teachers. The highlight of the day was a captivating dance drama paying tribute to India's rich history, which deeply moved everyone present. Addressing the gathering, Col. Khasnavis, a Kargil war veteran, stressed the importance of self-discipline and integrity. He also remembered the sacrifices of the brave men and women who contributed to India's freedom and progress over the past 78 years. Principal Sh. Rajan Gautam encouraged students to become responsible citizens and keep the nation's glory shining high. The celebrations concluded with the Shanti Path, DAV anthem, DAV Gaan, and the National Anthem, leaving everyone with a sense of pride and patriotism.

MANAV SANSKAR PUBLIC SCHOOL Organised a movie outing AT PRISTINE MALL

Faridabad/Alive News

A memorable and educational movie outing was organized by Manav Sanskar Public school for its students at Pristine Mall, Faridabad. The students were taken to watch the recently released spiritual and mythological film "Mahavtar Narsimha", which captivated young minds with its powerful message, visual storytelling, and cultural richness. This initiative was led under the guidance and encouragement of Director Mr. Yogesh Sharma, Mentor Mrs. Rama Kaul, Mrs.Reena Mishra who believe in the holistic development of students beyond academics. They addressed the importance of exposing students to culturally enriching experiences that reinforce values and stimulate intellectual curiosity. The day began with students assembling at the school premises and then proceeding to the Pristine Mall in a well-coordinated manner. Teachers and support staff accompanied the students throughout the trip to ensure their safety and discipline. At the theatre, students enjoyed the film and participated in a short interactive session afterward, reflecting on the moral and mythological themes portrayed in the movie. The outing was not only entertaining but also spiritually enlightening, leaving students inspired and more connected with India's rich mythological heritage. The school thanks all staff and parents for their cooperation and looks forward to organizing more such engaging and educational experiences.

जीवा स्कूल में रोबो फेस्ट 2.0 का आयोजन

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में जीवा रोबो फेस्ट 2.0 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दिल्ली एनसीआर के 13 स्कूल के छात्रों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता दो कैटेगरी में आयोजित की गई। सीनियर कैटेगरी की प्रतियोगिता का नाम 'फास्टेस्ट लाइन फोलोइंग' था वहीं जूनियर कैटेगरी की प्रतियोगिता का नाम 'रिमोर्ट कंट्रोल रोबो रेस' था।

प्रतियोगिता का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के अध्यक्ष एवं इनोवेटर ऑफ जीवा लर्निंग सिस्टम से ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव, उपप्रधानाचार्या रितु कंवर, प्रमुख संयोजिका लीपिका कौशिक व सभी गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहें।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को नई तकनीक से अवगत कराना और उनमें छिपी प्रतिभा को निखारना था। यह प्रतियोगिता मुख्य रूप से स्टेम अर्थात साईस, टैक्नोलॉजी, इंजिनियरिंग और मैथ्स के संयोजन पर आधारित थी।

प्रतियोगिता के प्रारंभ में विद्यालय के एटीएल इंचार्ज मनीष कुमार ने प्रतियोगिता के सभी नियमों से छात्रों को अवगत कराया। गेम मास्टर सीनियर कैटेगरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विजेता जीवा पब्लिक स्कूल, दूसरे स्थान पर विजेता टैगोर एकेडमी सेक्टर 3 फरीदाबाद, तीसरे स्थान पर विजेता श्रीराम मॉडल स्कूल रहा।

गेम मास्टर जूनियर कैटेगरी में प्रथम स्थान पर जीवा पब्लिक स्कूल, द्वितीय स्थान पर सी. डी इंटरनेशनल स्कूल गुरुग्राम, तृतीय स्थान पर आर. के. जी ग्लोबल स्कूल गाज़ियाबाद रहा। बेस्ट डिजाइन अवार्ड सीनियर कैटेगरी में एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल फरीदाबाद, बेस्ट डिजाइन अवार्ड जूनियर कैटेगरी में आर.के. जी ग्लोबल स्कूल गाज़ियाबाद विजेता रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष और इनोवेटर ऑफ जीवा लर्निंग सिस्टम ऋषिपाल चौहान ने उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीकी शिक्षा का अत्यधिक महत्व है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करने का अवसर मिलता है, बल्कि वे सहयोगात्मक कार्यशैली को भी अपनाते हैं। जब छात्र मिल-जुलकर कार्य करते हैं, तो वे एक-दूसरे से सीखते हैं, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझते हैं और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं, जो उनके समग्र विकास में सहायक सिद्ध होता है।

मयूर कला केन्द्र द्वारा समर पाम सोसायटी में पावन मेले का आयोजन

Faridabad/Alive News

ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित समर पाम सोसायटी के प्रांगण में मयूर कला केन्द्र द्वारा पवित्र सावन माह में महिलाओं के लिए सावन मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मयूर कला केन्द्र की संस्थापक अध्यक्ष रूबी मल्ली, बबीता, संगीता और ज्योति ने अन्य महिला सदस्यों के साथ दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महिलाओं को तनाव से बाहर रखने के लिए डांस, रैम्प वॉक, गेम्स व कई तरह की एक्टिविटी रखी गई थी। जिसमें महिलाओं ने खूब एन्जॉय किया और महिलाओं को गिफ्ट्स भी भेंट किए गए। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने अच्छे एक्सपीरियंस को साझा भी किया। मयूर कला केन्द्र की संस्थापक अध्यक्ष रूबी मल्ली व विशेष सहयोगी बबीता, संगीता, ज्योति ने बताया कि उनका मकसद केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि समाज के लिए काम करने का भी है। जिसके तहत स्वच्छता अभियान, गौ सेवा, बुजुर्ग व नेत्रहीनों की सेवा कर सुकून प्राप्त करती है। क्योंकि ज्यादातर महिलाएं कामकाजी व घरेलू गृहणी है। मेले के अंत में सभी महिलाओं ने स्नेह भोज भी किया। इस मौके पर बलजीत सविता, प्रियांशु, कुसुम, शालीन, दया, करुणा, विनीता, प्रज्ञा, शिल्पी, नीलू सहित समर पास सोसायटी की महिलाएं मौजूद रही।

अल्ट्रासाउंड एसोसिएशन ने की हड़ताल, आईएमए ने मांगों को लेकर डीसी को सौंपा ज्ञापन

Faridabad/Alive News

रेडियोलोजिस्ट एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और स्त्री रोग फोरम ने अल्ट्रासाउंड केन्द्र पर प्रशासन के साथ मिलकर गलत एवं अवैध वसूली की नीयत से छापेमारी के विरोध में आज सोमवार को अल्ट्रासाउंड केंद्र के डाक्टर हड़ताल पर रहे। संयुक्त रूप से आईएमए और अन्य एसोसिएशन ने जिला उपायुक्त (डीसी) और सीएमओ को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। पाठकों को बता दें कि दो अगस्त की शाम को स्वास्थ्य विभाग ने बल्लभगढ़ के संजीवनी अल्ट्रासाउंड सेंटर पर लिंग जांच के लिए कथित रूप से छापेमारी की थी जिसके चलते आठ घंटे की तहकीकात के बाद भी डॉक्टर की कोई संलिप्तता नहीं पाई गई, लेकिन इस सबके बावजुद भी डॉक्टरों की अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया गया है। आईएमए एसोसिएशन, रेडियोलोजिस्ट एसोसिएशन और फॉग्स एसोसिएशन ने इसके विरोध में अपना रोष जताते हुए आरोप लगाया कि लिंग जांच का यह सारा काम एक गैंग के तीन सदस्यों ने मिलकर किया था, जिनको पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। ये गैंग लोगों से पैसे ऐंठने का काम भी करता है। इस छापेमारी के विरोध में सोमवार को आईएमए ने दिए मांगों के ज्ञापन में कहा कि जो मशीन को सील किया गया था उसे तुरन्त खोला जाए और डॉक्टर को प्रताड़ित न किया जाए। फरीदाबाद के सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों के डाक्टर ने सांझा निर्णय लिया है कि वह सोमवार के दिन हड़ताल पर रहने पर गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड नहीं करेंगे। एसोसिएशन ने अपने इस ज्ञापन के संबंध में फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के मरीजों से असुविधा के लिए खेद प्रकट किया।

क्या कहना है अधिकारियों का

डीसी विक्रम सिंह ने डाक्टरों को आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही प्रक्रिया के तहत इन मशीनें की सील को खोलवाया जाएगा। उधर, सीएमओ जयंत आहूजा ने आईएमए को आश्वासन देते हुए कहा कि वह जल्द ही लिंग जांच करने वाले गिरोह की जांच करेंगे। ऐसे ही किसी को भी परेशान नही किया जााएग।

श्री सिद्धदाता आश्रम में मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन, विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने किया शुभारंभ

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड रोड स्थित श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम (श्री सिद्धदाता आश्रम) में आज वैकुंठवासी गुरुमाता अशरफी देवी जी की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर एक बड़ा निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया।

इस शिविर का शुभारंभ हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण ने किया। उन्होंने गुरुमाता को श्रद्धांजलि अर्पित की और आश्रम परिसर में भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर में पूजा की। साथ ही, आश्रम द्वारा किए जा रहे धार्मिक, सामाजिक और सेवा कार्यों की सराहना की।

इस मौके पर उन्होंने ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत पौधा लगाया और लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना न केवल पर्यावरण के लिए ज़रूरी है, बल्कि यह अपनी मां की याद को जीवित रखने का एक सुंदर तरीका भी है।

चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी लोगों ने हिस्सा लिया। यहां पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सामान्य स्वास्थ्य जांच और मोतियाबिंद की जांच की, जो पूरी तरह मुफ्त रही।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने की और पूरा माहौल श्रद्धा और भक्ति से भरा हुआ रहा।

कार्यक्रम में बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद की मेयर प्रवीण जोशी, पूर्व विधायक नरेंद्र गुप्ता व टेकचंद शर्मा, जिला उपायुक्त विक्रम सिंह, डॉ. सना तारिक समेत कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और श्रद्धालु शामिल हुए।

सभी अतिथियों ने गुरुमाता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री सिद्धदाता आश्रम समाज सेवा, आध्यात्मिकता और संस्कृति के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है, जो सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

आईएएस प्रमोट होने पर सतबीर मान को जाट समाज ने दी बधाई

Faridabad/Alive News

जाट समाज फरीदाबाद के महासचिव एच.एस. मलिक के नेतृत्व में आज गुरुवार को एचसीएस से आईएएस प्रमोट हुए एडीसी सतबीर सिंह मान को पुष्पगुच्छ देकर उन्हें बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर मलिक ने कहा कि सतबीर सिंह मान ने फरीदाबाद जिले में कई पदों पर रहकर ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य किया। लोगों की समस्याओं को भी इन्हें गंभीरता से सुनकर उनके समाधान का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हरियाणा सरकार ने प्रदेश में कई एचसीएस अधिकारियों को प्रमोट कर आईएएस का दर्जा दिया है। इस अवसर पर टी.एस. दलाल, शिवराम तेवतिया, जितेंद्र चौधरी, रामरतन नरवत सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

रेडियो मानव रचना 107.8 एफएम ने मनाई सामुदायिक सेवा के 16 वर्ष

Faridabad/Alive News

रेडियो मानव रचना 107.8 एफएम ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर सामुदायिक रेडियो सेवा के 16 वर्षों का उत्सव मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम के डीसीपी एवं आईपीएस अधिकारी डॉ. अर्पित जैन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक एवं इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वीमेन इन रेडियो एंड टेलीविजन, इंडिया चैप्टर की मैनेजिंग ट्रस्टी सुश्री अपर्णा सन्याल उपस्थित रहीं।

'कम्युनिटी कनेक्ट' पहल के तहत आध्यात्म, संगीत, कला एवं संस्कृति, साहित्य, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक उत्थान, पर्यावरण संरक्षण और लैंगिक समानता जैसे क्षेत्रों में रेडियो होस्ट के रूप में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 20 विशिष्ट समुदाय सदस्यों और नॉलेज पार्टनर्स को सम्मानित किया गया। विशेष सम्मान के रूप में, पांच उत्कृष्ट बदलाव लाने वालों को समाज में उनके उल्लेखनीय प्रभाव के लिए सराहा गया।

सम्मानित व्यक्तियों में शामिल थे डॉ. सविता भगत, रोशनी एजुकेशनल ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं डीएवी सेंटेनरी कॉलेज, फरीदाबाद की पूर्व प्राचार्य, जिन्हें शिक्षा और वंचित बच्चों के सशक्तिकरण के लिए सम्मानित किया गया; मिस ट्रांसक्वीन इंडिया पेजेंट की संस्थापक सुश्री रीना राय, जिन्हें ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और समावेशन के लिए सम्मानित किया गया; ईएसआई मेडिकल कॉलेज के जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. हेमंत अत्रि, जिन्हें चिकित्सा एवं रोगी देखभाल में योगदान के लिए सम्मान मिला; 'प्रभात - एन अवेकनिंग' एनजीओ के अध्यक्ष अंकित नैयर, जिन्हें विशेष आवश्यकता वाले और वंचित बच्चों के सशक्तिकरण के लिए सम्मानित किया गया और ईको क्लब फरीदाबाद सोसायटी, जिसे पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक बहाली और सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. अर्पित जैन ने कहा कि ÷रेडियो मानव रचना ने दिखाया है कि रेडियो समाज में वास्तविक बदलाव ला सकता है। पिछले 16 वर्षों से यह शिक्षा, जागरूकता और समुदाय को एकजुट करने का माध्यम रहा है। वह टीम की इस कार्य के प्रति निष्ठा की सराहना करता हूं।÷

सुश्री अपर्णा सन्याल ने कहा कि ÷कहानियां हमारे दृष्टिकोण को बदल सकती हैं। रेडियो मानव रचना की खासियत यह है कि यह जमीनी स्तर की आवाज़ों को मंच देता है, जिन्हें सुना जाना ज़रूरी है। इसी तरह मीडिया में वास्तविक विविधता और समावेशन को बढ़ावा मिलता है।

एमआरईआई के महानिदेशक एवं डॉ. ओ.पी. भल्ला फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ. एन.सी. वाधवा ने रेडियो मानव रचना की टीम और रेडियो मानव रचना एवं सेंटर फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन (सीएफएमसी) की मुख्य क्रिएटिव अधिकारी जसमिता ओबेरॉय को बधाई दी, जिनके नेतृत्व में स्टेशन लगातार सामाजिक मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है और बदलाव लाने वालों को पहचान दिला रहा है। कार्यक्रम में लैंगिक समानता पर 'फायरसाइड चैट' का भी आयोजन हुआ, जिसमें सुश्री अपर्णा सन्याल ने रेडियो मानव रचना 107.8 एफएम की डिप्टी डायरेक्टर दीक्षा भाटिया से बातचीत की। चर्चा में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला गया कि कैसे यह समावेशी कथानकों को बढ़ावा देकर लैंगिक न्याय को आगे बढ़ा सकता है।

16 वर्ष पूरे करने के साथ, रेडियो मानव रचना 107.8 एफएम समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने, सामाजिक कार्यों को समर्थन देने और बदलाव लाने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के अपने संकल्प पर कायम है।

रेफर मुक्त संघर्ष समिति की टीम ने पुन: डिप्टी स्पीकर से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा

Faridabad/Alive News

रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक सतीश चोपड़ा के नेतृत्व में आज सुबह पुनः टीम ने हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। डॉ.मिड्ढा ने कहा कि वह मंच पर यह मांग पत्र सीएम सैनी को देगें तथा समय मिलने पर उनसे इस विषय पर चर्चा करेगें। ताकि रेफर मुक्त संघर्ष समिति की जायज मांगों को पूरा किया जा सकें। इस मौके पर रेफर मुक्त संघर्ष समिति की पूरी टीम ने हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ.कृष्ण लाल मिड्ढा का आभार व्यक्त किया। रैफर मुक्त संघर्ष समिति का धरना 259 दिनों से सिविल अस्पताल फरीदाबाद के पास पूर्व क्रिकेटर रणजी खिलाड़ी संजय भाटिया के मार्गदर्शन पर शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। इस अवसर पर सतीश चोपड़ा के अलावा विजय दहिया, नवीन ग्रोवर व संजय पाल प्रधान मौजूद रहे।

जिला सब जूनियर बास्केटबॉल ट्रायल 16 अगस्त को सेक्टर-77 में होंगे आयोजित

Faridabad/Alive News

50वीं सब जूनियर स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप (लड़का एवं लड़की वर्ग) में भाग लेने के लिए फरीदाबाद जिले की टीम के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन 16 अगस्त को शाम 4 बजे सेक्टर-77 स्थित नवारंभ स्पोर्ट्स एकेडमी में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए खेल विभाग के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि राज्य स्तरीय यह प्रतियोगिता 22 से 24 अगस्त 2025 तक ताऊ देवीलाल स्टेडियम, गुरुग्राम में आयोजित होगी। कमेटी मेंबर विनय श्योराण ने बताया कि ट्रायल में केवल वे खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2012 के बाद की हो। सभी प्रतिभागियों को जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा प्रशिक्षित: कृषि मंत्री

Faridabad/Alive News

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने गुरुवार आज फरीदाबाद स्थित कृषि विभाग कार्यालय में आयोजित बैठक में कहा कि अब हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना होगा। भारत सरकार और राज्य सरकार इस दिशा में मिलकर प्रयास कर रही हैं। इस वर्ष प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा और इस विषय पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कृषि मंत्री ने बताया कि नकली खाद की कालाबाजारी पर भी सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। जुलाई माह में राज्य भर में खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए विजिलेंस टीम द्वारा छापेमारी की गई थी। नकली खाद बेचना, गैर-कृषि कार्य में खाद का उपयोग करना, स्टॉक रजिस्टर में अनियमितताएं व अधिक दाम वसूलने जैसे मामलों पर प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 15-16 सितंबर को एक एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी जिले के नोडल ऑफिसर और फील्ड ऑफिसर भाग लेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य आगामी 5 वर्षों की कृषि योजनाओं की रूपरेखा तय करना और किसानों को नवीन तकनीकों से जोड़ना होगा। कृषि मंत्री एस.एस.राणा ने प्रधानमंत्री कृषि ड्रोन योजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खाद एवं बाजार से जोड़कर उनकी आमदनी को दोगुना करना है।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार भाटी ने जिला अदालत परिसर में वकीलों को तिरंगा किए वितरित

Faridabad/Alive News

वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार भाटी ने जिला न्यायालय फरीदाबाद में अधिवक्ताओं को तिरंगा झंडा बांट कर मनाया हर घर तिरंगा कार्यक्रम। स्वतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा 500 से अधिक तिरंगा झंडा साथी अधिवक्ताओं को बांटे और उनको हर घर तिरंगा कार्यक्रम से जुड़ कर अपने घर और कार्यक्षेत्र पर तिरंगा झंडा लगाने को प्रेरित किया।

स्वतंत्रता दिवस पर फरीदाबाद पुलिस के दो अधिकारियों को 'पुलिस पदक' से सम्मानित

Faridabad/Alive News

स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर भारत सरकार द्वारा घोषित सम्मान सूची में फरीदाबाद पुलिस के 2 पुलिस अधिकारियों को %उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस पदक% प्रदान किया है। सहायक पुलिस आयुक्त राजेश कुमार व पुलिस प्रवक्ता उप निरीक्षक यशपाल सिंह को पुलिस पदक के लिए सम्मानित किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने अपनी सेवा के दौरान अनुकरणीय कर्तव्यपरायणता, ईमानदारी तथा उल्लेखनीय कार्यों से पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। अपराध नियंत्रण, जनता से समन्वय और कानून व्यवस्था बनाए रखने में उनका योगदान सराहनीय रहा है। पुलिस अधिकारियों की इस उपलब्धि पर फरीदाबाद पुलिस को गर्व है। पुलिस आयुक्त फरीदाबाद ने सहायक पुलिस आयुक्त राजेश कुमार व उप निरीक्षक यशपाल सिंह, पुलिस प्रवक्ता को हार्दिक बधाई दी है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जी.डी.गोयनका स्कूल में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम

Faridabad/Alive News

जी.डी.गोयनका स्कूल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं और गीत गाकर देश प्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुई। मुख्य अतिथि के रूप में बेटी बचाओ अभियान के राष्ट्रीय संयोजक हरीश चन्द्र आज़ाद, चेयरमैन वासुदेव अरोड़ा, महिला विंग की चेयरमैन शीतल लूथरा और रमेश मक्कड़ उपस्थित रहे। स्कूल की प्रधानाचार्या चित्रलेखा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि हरीश चन्द्र आज़ाद ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शहीदों की कुर्बानियों को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को बनाए रखना बच्चों की जिम्मेदारी है, और सभी प्रधानमंत्रियों का सम्मान करना भी राष्ट्रभक्ति का हिस्सा है। चेयरमैन वासुदेव अरोड़ा ने भी स्कूल के स्टाफ और बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि भारी बारिश के बावजूद कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करना अनुकरणीय है। कार्यक्रम में मेडल और प्रमाणपत्र देकर बच्चों को सम्मानित भी किया गया। अंत में प्रधानाचार्या चित्रलेखा ने सभी अतिथियों का आभार जताया और कहा कि बारिश में भीगते हुए ध्वजारोहण करना वास्तव में सच्ची देशभक्ति का प्रतीक है।

सारन इंडस्ट्रियल एरिया के कूलर फैक्ट्री में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

Faridabad/Alive News

मुजेसर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सारन इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक प्लास्टिक कूलर बनाने वाली फैक्ट्री में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैक्ट्री की पहली मंजिल पर स्थित गोदाम में रखे प्लास्टिक और रंगों के सामान ने कुछ ही पलों में आग पकड़ ली। आग की लपटें इतनी तेज थी कि फैक्ट्री से उठता काला धुआं दूर तक दिखाई देने लगा। घटना के समय फैक्ट्री में मौजूद दो कर्मचारी समय रहते बाहर निकल आए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। फैक्ट्री के चौकीदार रामशरण ने बताया कि लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेज होती गईं। इसके बाद तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक गोदाम में रखा सारा प्लास्टिक और अन्य सामान जलकर राख हो चुका था। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास सुरक्षा घेरा बनाकर अन्य फैक्ट्रियों को संभावित नुकसान से बचाया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कमला नेहरू स्कूल की मैनेजमेंट बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार देने का कार्य कर रही- राजपाल

▸▸ कमला नेहरू स्कूल ने आजादी उत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया

Faridabad/Alive News

कमला नेहरू पब्लिक स्कूल, एस जी एम नगर, एन आई टी फरीदाबाद के तत्वाधान में भारत का 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत हर्षोल्लास के साथ तीन नंबर सी ब्लॉक के हनुमान मंदिर के विशाल प्रांगण में मनाया गया द्य इस अवसर पर बच्चों का जोश और जुनून देखते ही बनता था द्य बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वहाँ मौजूद सभी दर्शकों, अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया द्य मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हरियाणा टूरिज्म के उपमहाप्रबंधक श्री राजपाल ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की और बच्चों को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी द्य इस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में पधारे श्री कमलेश शास्त्री, मंडल बाल कल्याण अधिकारी गुरूग्राम। मंडल ने जहां एक ओर स्वतंत्रता दिलाने वाले शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया वहीं विद्यालय की गतिविधियों की खुले दिल से प्रशंसा की द्य श्री आर पी हंस संस्थापक अध्यक्ष उत्थान क्लब ने भी इस अवसर पर देशभक्ति से सरोबार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रशंसा की और देश के शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की द्य विशेष अतिथि श्री विमल खंडेलवाल ने देश की आजादी में योगदान देने वाले सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कमला नेहरू पब्लिक स्कूल के बच्चों के और आगे बढ़ाने की कामना की द्य पूर्वी सेवा समिति के अध्यक्ष श्री सुनील कुमार सिंह ने भी देश को आजादी दिलाने वाले शहीदों को नमन किया और कमला नेहरू पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के जोश की प्रशंसा की द्य विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ज्योति आर्य ने जहां इस पर्व के महत्व की चर्चा की वही अतिथियों और अभिभावकों का इतने जोश खरोश के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद किया द्य कार्यक्रम की संचालक श्रीमती सिंधु और उपप्राचार्य श्रीमती ममता पाराशर ने बच्चों के द्वारा देशभक्ति के कार्यक्रम में भाग लेने की भावना से लोगों को अवगत कराया और विद्यालय की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की

केवल कागजों तक सिमटा हुआ है भाजपा सरकार का विकास : बलजीत कौशिक

▸▸ कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सडक़ों पर उतरकर लिया जलभराव क्षेत्रों का जायजा

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद में गुरुवार को हुई बरसात के चलते समूचा शहर जलमग्न हो गया। हालात इतने बदत्तर हो गए कि स्मार्ट सिटी फरीदाबाद के पॉश इलाके, राष्ट्रीय राजमार्ग और कालोनियां सभी तालाब सिटी के रुप में तब्दील हो गए और चहुंओर पानी ही पानी नजर आया। लोगों की समस्याओं को देखते हुए फरीदाबाद जिला कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक कांग्रेसी नेताओं के साथ सडक़ों पर उतरे और जगह-जगह जाकर जलभराव की स्थिति का जायजा लेते हुए भाजपा सरकार को उनके विकास का आईना दिखाया। घुटनों तक जमा पानी में उतरे कांग्रेस जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कहा कि भाजपा का विकास केवल कागजों तक सिमटा हुआ है, पिछले 11 सालों के दौरान इस सरकार ने केवल धर्म के नाम पर राजनीति करके लोगों को बरगलाया है और जनता के खून पसीने की कमाई को हड़पा है। एक ही दिन की बरसात ने पॉश सेक्टरों सहित कालोनियों व स्लम एरियों में हालात बद से बदत्तर कर दिए, लोगों के घरों तक पानी पहुंच गया, जिससे उनका जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया, आखिरकार सरकार व प्रशासन ने जलनिकास के उचित इंतजामात क्यों नहीं किए, अगर किए होते तो आज लोगों को समस्याओं से नहीं जूझना पड़ता। श्री कौशिक ने कहा कि आज फरीदाबाद में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सैनी सहित तमाम मंत्री व अधिकारीगण उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी आंखों से फरीदाबाद की दुर्दशा को देखा, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोला, इससे स्पष्ट है अगर उन्हें शहर की चिंता होती है तो वह आज खुद सडक़ों पर उतरकर फरीदाबाद में जगह-जगह हुए जलभराव का दौरा करते और अधिकारियों को हडक़ाते ताकि जनता को जलभराव से जल्दी निजात मिल पाती। उन्होंने कहा कि लोगों को नीलम पुल, बाटा पुल व अन्य पुलों से गुजरने में घण्टों जाम से जूझना पड़ा और सडक़ों से गुजरते हुए लोग मन ही मन भाजपा सरकार को कोसने को मजबूर थे।अगर उस विकास का एक चौथाई कार्य भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार करती थी आज फरीदाबाद एक ही बरसात में जलमग्र न होता। उन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि अब झूठे वायदे करने से काम नहीं चलेगा बल्कि जनता जनार्दन सब जानती है, इसलिए कागजों में नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर विकास करे, अन्यथा कांग्रेस पार्टी जनता के हक हकूक की आवाज को बुलंद करने के लिए धरने प्रदर्शन करने से भी गुरेज नहीं करेगी। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से पूर्व पार्षद अनिल शर्मा, रोहित सिंगला, डा. सौरभ शर्मा, योगेश तंवर, बलजीत सिंह, ईशांत कथूरिया, विकास फागना आदि मौजूद रहे।

wish you all Happy Independence Day

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448